भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2671 का उत्तर

केरल में रेल स्टेशन का आधुनिकीकरण

2671. श्री के. राधाकृष्णन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश भर में रेल स्टेशनों के आधुनिकीकरण के लिए कोई योजना कार्यान्वित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो विगत पांच वर्षों के दौरान राज्य-वार, विशेषकर केरल में आधुनिकीकरण किए गए अथवा आधुनिकीकरण किए जाने वाले रेल स्टेशनों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) केरल सहित देश में कितने रेल स्टेशनों का आधुनिकीकरण किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लैटफॉर्म की सतह में सुधार

SK

और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टीरहित पटरियों आदि की व्यवस्था करना, चरणबद्ध कार्यान्वयन तथा व्यवहार्यता आकलन एवं दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 35 स्टेशन केरल राज्य में हैं। केरल राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:-

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	अलाप्पुझा, अंगडीप्पुरम, अंगमालि कालडि, चलाकुडी, चंगनाशेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनिकिल, एर्णाकुलम, एर्णाकुलम टाउन, एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवयूर, कण्णूर, कासरगोड, कयानकुलम, कोल्लम, कोझिकोड, कुट्टीपुरम, मवेलीकारा, नेय्यातिनकारा, नीलांबुर रोड, ओट्टप्पलम, परप्पनंगडी, पय्यानूर, पुनालुर, षोरणूर जं., थलास्सेरी, तिरुवनंतपुरम त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, थिरुपनिथुरा, वडकारा, वर्कला, वडकांचेरी

SK

स्टेशनों के विकास और अनुरक्षण के लिए निधियों के आबंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है। केरल राज्य दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2024-25 का आवंटन 1383 करोड़ रुपए है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास निरन्तर और सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता के अनुसार किए जाते हैं, जो परस्पर प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन है। हालांकि, कार्यों की स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्चतर कोटि के स्टेशनों के उन्नयन/विकास/पुनर्विकास को प्राथमिकता दी जाती है।

*****

SK